मद्रित पष्ठों की संख्या : 4

BHDC-105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (CBCS–BAHDH)

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) कई दिनों तक चल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कतिया सोई उसके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चहों की भी हालत रही शिकस्त।

(ख) स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढते जा रहे हैं वे,
रोकिये. जैसे बने इन स्वप्नवालों को,
स्वर्ग की ही ओर बढते आ रहे हैं वे।

(ग) द्वीप हैं हम।
यह नहीं है शाप।
यह अपनी नियति है।
हम नदी के पत्र हैं।
बैठे नदी के क्रोड में।
वह वहद भखण्ड से हमको मिलाती है।
और वह भखण्ड
अपना पितर है।

(घ) निकल गली से तब हत्यारा

आया उसने नाम पकारा

हाथ तौल कर चाक मारा

छटा लोह का फव्वारा

कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी।

(ङ) वे जला देते हैं

एक टटही लालटेन

टाँग देते हैं किसी ऊँचे बाँस पर

ताकि उनके होने की खबर

पानी के पार तक पहँचती रहे।

2. प्रगतिवाद की मलभत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. प्रयोगवाद के शिल्प-विधान को रेखांकित कीजिए। 16

4. समकालीन कविता की प्रवत्तियों का उल्लेख कीजिए। 16

5. केदारनाथ अग्रवाल के कतित्व पर प्रकाश डालते हए उनके काव्य-सौष्ठव को स्पष्ट कीजिए। 16

6. हिन्दी कविता में नागार्जन के महत्व की चर्चा कीजिए। 16

7. दिनकर की राष्ट्रीय और सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

8. अज्ञेय के काव्य-विकास की चर्चा करते हए उनकी काव्य-संवेदना की गहराई को रेखांकित कीजिए। 16

9. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 16

10. 'केदारनाथ सिंह का काव्यसंसार' विषय पर एक निबन्ध लिखिए। 16